Title: Problems being faced by the farmers of Uttar Pradesh due to rescinding of water sharing agreement by Punjab.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश की एक शिकायत है जो मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने रखना चाहता हूँ।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am very sorry. I will not allow you any more. You have made your statement. It is all in the record. Please cooperate.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He is not obliged to respond. If you do not cooperate, I am sorry, I will have to adjourn the House. Nothing else will go on record but for the version of Shri Shailendra Kumar.

*(Interruptions)**

*Not Recorded.

MR. SPEAKER: I am sorry, I will adjourn the House if you behave in this manner. You have made your statement. I cannot compel the Minister to respond to it. If he does not respond, what can I do? You must sit down. I am on my legs. First, please sit down.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will not tolerate these things. I will not tolerate the open defiance of the Chair so long as I am here. This House is not yours alone.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing else will be recorded. Shri Shailendra Kumar, please go ahead.

*(Interruptions) **

श्री शैलेन्द्र कुमार : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग कररता हूँ कि पंजाब विवाद के चलते यमुना जल-बँटवारे का मामला बहुत गंभीर है। उत्तर प्रदेश को जो पानी मिलना चाहिए, वह नहीं मिल पा रहा है। पिछले पाँच दशकों से जो समझौते हुए, 12 मार्च 1954 को और 1994 के समझौते में निश्चित किया गया कि एक तिहाई पानी उत्तर प्रदेश को और दो तिहाई पानी हरियाणा को मिलेगा। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर बागपत और गाज़ियाबाद जनपद पर इसका प्र ाभाव पड़ रहा है। किसान सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। किसान भुखमरी के कगार पर हैं।

अध्यक्ष महोदय, किसान भुखमरी के कगार पर हैं। हरियाणा में बने ताजेवाला बांध पर यमुना नहर निकलती है। हरियाणा उस पानी का पूरा उपयोग करता है और उत्तर प्रदेश को पानी नहीं देता है जबकि उत्तर प्रदेश को 4285 क्यूसेक पानी चाहिए, लेकिन उसे केवल 65 क्यूसिक पानी मिल रहा है। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please be brief.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, if you are brief and speak to the point, we can cover many issues.

***Not Recorded.**

श्री शैलेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेशका पानी काट कर उत्तरांचल और दिल्ली जल बोर्ड को पानी दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, मुजफ्फरनगर, बागपत, हिंडन, कृणा दोआना नहर का क्षेत्र सूखा पड़ा हुआ है। जहां 3924 लाख रुपए खर्च कर के नहर बनाई गई है। मैं आपके माध्यम से सिंचाई मंत्री जी से मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश को पानी का एकतिहाई हिस्सा 4285 क्यूसिक पानी दिलाया जाए ताकि किसान अपनी सिंचाई कर के अपनी स्थिति को सुधार सकें।

MR. SPEAKER: Shrimati Kiran Maheshwari, Shri Kailash Meghwal and Prof. Rasa Singh Rawat also associate themselves with this matter.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : अध्यक्ष महोदय, â€¦ (व्यवधान)

श्री कैलाश मेघवाल (टोंक) : अध्यक्ष महोदय, मेरा बहुत गम्भीर मसला है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सभी के मसले गम्भीर हैं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already given chance to one Member of your party. I am trying to give chance to each party. I have given chance to only one Member from the Congress Party. This is not fair.

...(*Interruptions*)